पाठ 46

यीशु किस वंश से उतरा?

- इब्राहीम, इसहाक और याकूब के वंश से।

यीशु भी किस यहूदी राजा के वंश से उतरा?

- राजा दाऊद की वंशावली से।

यीशु के नाम "मसीह" का क्या अर्थ था?

- "क्राइस्ट" नाम का अर्थ पैगंबर, पुजारी और राजा है।

क्योंकि मरियम बच्चे के साथ थी, यूसुफ ने क्या सोचा?

-यूसुफ ने सोचा कि मरियम का किसी दूसरे आदमी से मिलन हो गया है।

क्या मरियम का किसी पुरुष से मिलन था?

-नहीं।

फिर मरियम बच्चे के साथ कैसे हो गई?

-भगवान पवित्र आत्मा ने एक चमत्कार किया, और मैरी बच्चे के साथ हो गई।

स्वर्गदूत ने यूसुफ से स्वप्न में क्या कहा?

- देवदूत ने कहा कि मैरी के पास एक बच्चा था क्योंकि भगवान पवित्र आत्मा ने एक चमत्कार किया था।

"इमैनुएल" नाम का क्या अर्थ है?

-इमैनुएल नाम का अर्थ है "भगवान हमारे साथ।"

यीशु को इम्मानुएल क्यों कहा जाना था?

-क्योंकि यीशु लोगों के साथ रहने के लिए आने वाला उद्धारकर्ता परमेश्वर था।

- जब मैरी को जन्म देने का समय आया, तो उन्होंने एक बेटे को जन्म दिया।

- मरियम ने एक बेटे को जन्म दिया, उसे कपड़े में लपेटा, और उसे मवेशियों के लिए एक चारागाह में रखा, क्योंकि कोई और जगह नहीं थी।

-मैरी और जोसेफ ने बच्चे का नाम जीसस रखा।

- भले ही यीशु परमेश्वर उद्धारकर्ता था, लेकिन जब वह पैदा हुआ तो उसे मवेशियों के लिए एक चारागाह में रखा गया था।

- जीसस का जन्म किस देश में हुआ था?

-इज़राइल की भूमि में।

- यीशु का जन्म किस शहर में हुआ था?

-बेथलहम शहर में.

-यीशु का जन्म हमें पाप की शक्ति से बचाने के लिए हुआ था।

-यीशु का जन्म हमें मृत्यु की शक्ति से बचाने के लिए हुआ था।

-यीशु का जन्म हमें शैतान की शक्ति से बचाने के लिए हुआ था।

-जिस तरह परमेश्वर ने बहुत पहले भविष्यद्वक्ताओं के माध्यम से वादा किया था, उसने हमें बचाने के लिए उद्धारकर्ता को भेजा।

-जिस तरह परमेश्वर ने भविष्यवक्ताओं के माध्यम से बहुत पहले वादा किया था, उद्धारकर्ता यीशु का जन्म दुनिया में हुआ था।

-जिस तरह परमेश्वर ने बहुत पहले भविष्यद्वक्ताओं के माध्यम से वादा किया था, यीशु का जन्म बेथलहम शहर में हुआ था।

- बेतलेहेम में यीशु के जन्म के बाद, बुद्धिमान लोग यरूशलेम शहर में आए।

आइए पढ़ें मत्ती 2:1-2

1-यहूदिया के बेतलेहेम में यीशु के जन्म के बाद, राजा हेरोदेस के समय में, पूर्व से बुद्धिमान लोग यरूशलेम आए

2-और पूछा, "वह कहाँ है जो यहूदियों का राजा पैदा हुआ है? हमने पूर्व में उसका तारा देखा और उसकी पूजा करने आए हैं।"

-बुद्धिमान लोग किसकी तलाश में थे?

- वे यीशु को ढूंढ रहे थे, जिसे वे यहूदियों का राजा कहते थे।

-जब राजा हेरोदेस को पता चला कि बुद्धिमान लोग राजा की तलाश कर रहे हैं, तो वह बहुत परेशान हुआ।

आइए पढ़ें मत्ती 2:3

3- जब हेरोदेस राजा ने यह सुना तो वह और उसके संग सारा यरूशलेम घबरा गया।

- राजा हेरोदेस क्यों परेशान था?

-क्योंकि राजा हेरोदेस को डर था कि यह राजा जिसे बुद्धिमान लोग ढूंढ रहे थे, वह उसका सिंहासन ले लेगा।

- क्योंकि राजा हेरोदेस परेशान था, उसने महायाजकों और कानून के शिक्षकों को एक साथ बुलाया।

आइए पढ़ें मत्ती 2:4-6

4-जब राजा हेरोदेस ने प्रजा के सब प्रधान याजकों और धर्मशास्त्रियों को बुलवा लिया, तब उस ने उन से पूछा, कि मसीह का जन्म कहां होना है।

5- "यहूदिया के बेतलेहेम में," उन्होंने उत्तर दिया, "क्योंकि भविष्यद्वक्ता ने यह लिखा है:

6-'परन्तु, हे बेतलेहेम, यहूदा देश में, तुम यहूदा के हाकिमों में से किसी भी रीति से छोटे नहीं हो; क्योंकि तुम में से एक सरदार निकलेगा जो मेरी प्रजा इस्राएल का चरवाहा होगा।'"

- राजा हेरोदेस ने महायाजकों और व्यवस्था के शिक्षकों से क्या पूछा?

-उसने पूछा कि यहूदियों के राजा क्राइस्ट का जन्म कहां होना था।

- मुख्य याजकों और कानून के शिक्षकों ने क्या जवाब दिया?

-उन्होंने उससे कहा कि क्राइस्ट का जन्म बेथलहम में होना था।

- महायाजकों और धर्मशास्त्रियों को यह कैसे पता चला?

-क्योंकि वे बाइबल, परमेश्वर का वचन पढ़ते हैं।

-जिस तरह परमेश्वर ने बहुत पहले भविष्यवक्ताओं के माध्यम से वादा किया था, वह उद्धारकर्ता जो राजा होगा, बेथलहम में पैदा होगा।

- राजा हेरोदेस ने इस राजा की तलाश के लिए बुद्धिमान लोगों को बेतलेहेम शहर भेजा।

आइए पढ़ें मत्ती 2:7-11

7 तब हेरोदेस ने बुद्धिमानों को गुप्त रूप से बुलाया और उनसे पता चला कि तारा सही समय पर प्रकट हुआ था।

8-उसने उन्हें बेतलेहेम भेज दिया और कहा, "जाओ और बच्चे को अच्छी तरह ढूँढ़ो। जैसे ही तुम उसे पाओ, मुझे सूचना देना, कि मैं भी जाकर उसे प्रणाम करूं।"

9-राजा की बात सुनकर वे चल दिए, और जो तारा उन्होंने पूर्व में देखा था, वह उनके आगे-आगे चलता रहा, और वह उस स्थान पर जहां बालक था, रुक गया।

10-जब उन्होंने उस तारे को देखा, तो वे बहुत प्रसन्न हुए।

11- घर में आकर उन्होंने बालक को उसकी माता मरियम के साथ देखा, और उसको दण्डवत् करके उसको प्रणाम किया। तब उन्होंने अपना भण्डार खोलकर उसे सोना, और धूप, और गन्धरस की भेंट भेंट कीं।

-बुद्धिमान लोगों ने यीशु को पाकर क्या किया, जिसे वे यहूदियों का राजा कहते थे?

- उन्होंने उसकी पूजा की।

- उन्होंने उसे उपहार भी दिए।

- क्या भगवान नाराज थे कि बुद्धिमान लोग यीशु की पूजा करते थे?

-नहीं।

-भगवान नाराज क्यों नहीं थे कि बुद्धिमान लोग यीशु की पूजा करते थे?

-क्योंकि यीशु परमेश्वर है।

-यीशु पूर्ण रूप से परमेश्वर और पूर्ण रूप से मनुष्य हैं।

- इसके बाद, क्या राजा हेरोदेस से बात करने के लिए बुद्धिमान लोग यरूशलेम लौट आए?

आइए पढ़ें मत्ती 2:12

12 और स्वप्न में यह चितौनी पाकर कि हेरोदेस के पास फिर न जाना, पण्डित दूसरे मार्ग से अपके देश को लौट गए।

-परमेश्वर ने स्वप्न में बुद्धिमानों से कहा कि वे यरूशलेम न लौटकर राजा हेरोदेस से बात करें।

-इसलिए ज्ञानी दूसरे रास्ते से अपने देश लौट गए।

- ज्ञानियों के चले जाने के बाद, परमेश्वर ने एक दूत को यूसुफ से बात करने के लिए भेजा।

आइए पढ़ें मत्ती 2:13-15

13 जब वे चले गए, तब यहोवा का एक दूत यूसुफ को स्वप्न में दिखाई दिया। "उठो," उसने कहा, "बच्चे और उसकी माँ को ले जाओ और मिस्र को भाग जाओ। जब तक मैं तुझ से न कहूँ तब तक वहीं रहना, क्योंकि हेरोदेस उस बालक को घात करने के लिथे ढूंढ़ने पर है।”

14 सो वह उठा, और रात को बालक और उसकी माता को लेकर मिस्र को चला,

15-जहाँ वह हेरोदेस की मृत्यु तक रहा। और जो वचन यहोवा ने भविष्यद्वक्ता के द्वारा कहा था, वह पूरा हुआ: "मैं ने अपने पुत्र को मिस्र से बुलाया।"

- स्वर्गदूत ने यूसुफ से स्वप्न में क्या कहा?

- मरियम और जीसस को दूर ले जाने के लिए।

- किस देश में स्वर्गदूत ने यूसुफ से कहा कि वह मरियम और यीशु को ले जाए ताकि राजा हेरोदेस उसे न मार डाले?

-मिस्र को।

- जब यूसुफ जागा तो वह मरियम और यीशु को मिस्र ले गया।

-जिस तरह परमेश्वर ने बहुत पहले भविष्यद्वक्ताओं के माध्यम से वादा किया था, यीशु को मिस्र ले जाया गया था।

-यूसुफ यीशु को मिस्र क्यों ले गया?

-क्योंकि राजा हेरोदेस यीशु को मारना चाहता था।

- राजा हेरोदेस यीशु को क्यों मारना चाहता था?

-क्योंकि राजा हेरोदेस नहीं चाहता था कि कोई दूसरा राजा उसकी गद्दी संभाले।

- राजा हेरोदेस को यीशु को मारने का विचार किसने दिया?

-शैतान।

-शैतान यीशु को क्यों मारना चाहता था?

-क्योंकि शैतान नहीं चाहता था कि यीशु लोगों को पाप की शक्ति से बचाए।

-क्योंकि शैतान नहीं चाहता था कि यीशु लोगों को मृत्यु की शक्ति से बचाए।

-क्योंकि शैतान नहीं चाहता था कि यीशु लोगों को शैतान की शक्ति से बचाए।

-यहाँ एक दृष्टांत है:

-अगर किसी गुलाम के मालिक के पास कई गुलाम हैं, तो क्या वह चाहता है कि कोई उसके गुलामों को छीनने आए?

-नहीं।

-अगर एक डायन डॉक्टर के पास कई गुलाम हैं, तो क्या वह चाहता है कि कोई उसके गुलामों को लेने आए?

-नहीं।

-जैसे गुलाम मालिक और डायन डॉक्टर अपने गुलाम रखना चाहते हैं, वैसे ही शैतान भी सभी लोगों को अपना गुलाम रखना चाहता है।

-इसीलिए शैतान यीशु को मारना चाहता था।

-शैतान अपने दासों को खोना नहीं चाहता जो उसके अधीन हैं।

- जब राजा हेरोदेस से बात करने के लिए बुद्धिमान लोग यरूशलेम नहीं लौटे, तो राजा हेरोदेस ने क्या किया?

आइए पढ़ें मत्ती 2:16-18

16-जब हेरोदेस को पता चला कि ज्ञानियों ने उसे धोखा दिया है, तो वह आगबबूला हो गया, और उसने बेतलेहेम और उसके आसपास के सभी लड़कों को मारने का आदेश दिया, जो दो साल या उससे कम उम्र के थे, उस समय के अनुसार जो उसने सीखा था। बुद्धिमान पुरुष।

17 तब यिर्मयाह भविष्यद्वक्ता के द्वारा जो कहा गया था वह पूरा हुआ:

18- रामा में यह शब्द सुना गया, कि राहेल अपके बालकोंके लिथे रोती और बड़ी विलाप करती या, कि राहेल अपक्की सन्तान के लिथे रोती, और शान्ति न पाती, क्योंकि वे नहीं रहे।

- राजा हेरोदेस ने आज्ञा दी कि बेतलेहेम शहर में और उसके आस-पास रहने वाले दो साल और उससे कम उम्र के सभी लड़कों को मार डाला जाए।

-शैतान जानता था कि परमेश्वर उद्धारकर्ता को संसार में भेजेगा।

-शैतान जानता था कि उद्धारकर्ता आकर उसे हरा देगा।

-इसलिए शैतान ने यीशु को मारने की कोशिश की।

-शैतान ने राजा हेरोदेस से कहा कि वह यीशु को मार डाले।

-क्या पिता परमेश्वर ने यीशु की रक्षा की?

-हां।

-पिता परमेश्वर ने यीशु की रक्षा क्यों की?

-क्योंकि परमेश्वर पिता ने हमें पाप की शक्ति से बचाने के लिए यीशु को भेजा।

-क्योंकि परमेश्वर पिता ने हमें मृत्यु की शक्ति से बचाने के लिए यीशु को भेजा।

-क्योंकि परमेश्वर पिता ने हमें शैतान की शक्ति से बचाने के लिए यीशु को भेजा।

-क्या परमेश्वर यीशु की रक्षा करने में सक्षम था?

-हां।

-क्या राजा हेरोदेस ने यीशु को मार डाला?

-नहीं।

- राजा हेरोदेस की मृत्यु के बाद, परमेश्वर ने एक स्वर्गदूत को एक बार फिर यूसुफ से बात करने के लिए भेजा।

आइए पढ़ें मत्ती 2:19-20

19 हेरोदेस के मरने के बाद, यहोवा का एक दूत मिस्र में यूसुफ को स्वप्न में दिखाई दिया

20 और कहा, उठ, बालक और उसकी माता को लेकर इस्राएल देश में चला जा, क्योंकि जो बालक का प्राण लेना चाहते थे वे मर गए हैं।

- स्वर्गदूत ने यूसुफ से क्या कहा?

- स्वर्गदूत ने यूसुफ को बताया कि राजा हेरोदेस मर गया है।

- स्वर्गदूत ने यूसुफ से यह भी कहा कि वह मरियम और यीशु को वापस इस्राएल की भूमि पर ले जाए।

-यूसुफ ने उसकी बात मानी जो स्वर्गदूत ने कहा, और मरियम और यीशु को वापस इस्राएल की भूमि पर ले गया।

आइए पढ़ें मत्ती 2:21-23

21 सो वह उठा, और बालक और उसकी माता को लेकर इस्राएल देश को चला गया।

22 परन्तु जब उसने सुना कि अर्खिलॉस अपने पिता हेरोदेस के स्थान पर यहूदिया में राज्य करता है, तो वह वहां जाने से डरता था। स्वप्न में चितौनी पाकर वह गलील जिले को चला गया,

23 और वह जाकर नासरत नामक नगर में रहने लगा। भविष्यद्वक्ताओं के द्वारा जो कहा गया था, वह पूरा हुआ: "वह नासरी कहलाएगा।"

-यूसुफ, मरियम और यीशु इस्राएल की भूमि पर लौट आए।

-इस्राइल के किस शहर में यूसुफ मैरी और जीसस को ले गया था?

-नासरत शहर के लिए.

-जिस तरह परमेश्वर ने बहुत पहले भविष्यद्वक्ताओं के माध्यम से वादा किया था, यीशु नासरत शहर में रहता था।

-भगवान अपने वादों को कभी नहीं तोड़ते।

-भगवान हमेशा अपने वादे रखता है।